Journal of Science Engineering Technology and Management Science *ISSN: 3049-0952*
Volume 03, Issue 03(S), March 2026 *www.jsetms.com*

NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) और अर्थशास्त्र संसाधन एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

(Indian Knowledge System (IKS) in Economics Resources under NEP 2020: An Analytical Study)

Dr. Prabha Yadav
Guest Lecturer
S.D.N. Govt. College Arjunda
Dist – Balod (C.G.)
Email – py762484@gmail.com

सारांश (Abstract)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) भारत की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को बहु-विषयक, कौशल आधारित, मूल्य आधारित तथा शोध-उन्मुख बनाना है। NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) को विशेष महत्व दिया गया है, जिससे प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ा जा सके। अर्थशास्त्र (Economics) के क्षेत्र में IKS की भूमिका अत्यंत उपयोगी है क्योंकि भारत की प्राचीन आर्थिक व्यवस्था, व्यापार प्रणाली, कर नीति, कृषि अर्थव्यवस्था तथा संसाधन प्रबंधन पर आधारित ज्ञान आज भी प्रासंगिक है। यह शोध पत्र NEP 2020 के संदर्भ में IKS और अर्थशास्त्र संसाधनों के समावेशन, महत्व, चुनौतियों तथा भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

मुख्य शब्द (Keywords): NEP 2020, IKS, Economics Resources, भारतीय अर्थशास्त्र शिक्षा सुधार, संसाधन प्रबंधन

1. भूमिका (Introduction)

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नति का आधार होती है। भारत की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय तक पश्चिमी मॉडल पर आधारित रही, जिसके कारण भारतीय पारंपरिक ज्ञान का समुचित स्थान कम हो गया। NEP 2020 इस कमी को दूर करने का प्रयास करती है और भारतीय ज्ञान परंपरा को मुख्यधारा में लाने पर जोर देती है।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) में अर्थशास्त्र संबंधी विचारों का विशाल भंडार उपलब्ध है। कौटिल्य का **अर्थशास्त्र**, वैदिक काल की **कृषि एवं व्यापार व्यवस्था**, मौर्य काल की **राजकोषीय नीति**, गुप्त काल की

व्यापारिक समृद्धि तथा ग्राम आधारित **स्वावलंबी अर्थव्यवस्था** जैसी अवधारणाएं आधुनिक अर्थशास्त्र के कई सिद्धांतों से मेल खाती हैं।

2. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

इस शोध पत्र के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. NEP 2020 में IKS के प्रावधानों का अध्ययन करना
2. IKS में उपलब्ध अर्थशास्त्र संसाधनों का विश्लेषण करना
3. आधुनिक अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में IKS के समावेशन की उपयोगिता स्पष्ट करना
4. IKS आधारित अर्थशास्त्र शिक्षा में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना
5. समाधान एवं सुझाव प्रस्तुत करना

3. अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

यह शोध पत्र मुख्यतः **वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक (Descriptive and Analytical)** पद्धति पर आधारित है इसमें द्वितीयक आँकड़ों (Secondary Data) का उपयोग किया गया है। जानकारी के स्रोत:

- NEP 020 दस्तावेज
- IKS संबंधी पुस्तकें
- शोध पत्र, रिपोर्ट, जर्नल
- UGC एवं AICTE के दिशा-निर्देश

4. भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) का अर्थ (Meaning of IKS)

IKS से तात्पर्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा से है, जिसमें विज्ञान, गणित, चिकित्सा, दर्शन, नीति, प्रशासन, व्यापार, कृषि तथा अर्थशास्त्र का समृद्ध ज्ञान शामिल है। यह ज्ञान केवल धार्मिक नहीं बल्कि व्यावहारिक और समाज उपयोगी रहा है।

IKS की विशेषताएं :

- अनुभव आधारित ज्ञान
- नैतिकता एवं मूल्य आधारित दृष्टिकोण
- प्रकृति और संसाधनों के संतुलन पर बल
- समाज एवं राज्य के कल्याण की अवधारणा

 ISSN: 3049-0952
www.jsetms.com

5. NEP 2020 में IKS का स्थान (IKS in NEP 2020)

NEP 2020 में IKS को शिक्षा का अभिन्न अंग माना गया है। इसके अंतर्गत :

- भारतीय भाषाओं में ज्ञान का विकास
- पाठ्यक्रम में स्थानीय एवं पारंपरिक ज्ञान का समावेश
- प्राचीन ग्रंथों एवं परंपराओं का अध्ययन
- अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा
- कौशल आधारित शिक्षा पर बल

NEP 2020 यह स्पष्ट करती है कि भारत के पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़कर नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया जा सकता है।

6. IKS में अर्थशास्त्र संसाधन (Economics Resources in IKS)

IKS में अर्थशास्त्र संबंधी संसाधन अत्यंत समृद्ध हैं। प्रमुख स्रोत निम्न हैं :

6.1 कौटिल्य का अर्थशास्त्र (Kautilya's Arthashastra)

यह ग्रंथ राज्य प्रबंधन, कर नीति, व्यापार, कृषि, उद्योग, श्रम, राजस्व एवं प्रशासन का विस्तृत वर्णन करता है। मुख्य आर्थिक अवधारणाएं :

- कर व्यवस्था (Tax System)
- व्यापार नियंत्रण एवं नियमन
- राज्य का आर्थिक कल्याण
- कृषि आधारित अर्थव्यवस्था
- मूल्य नियंत्रण और बाजार नीति

6.2 वैदिक एवं उपनिषद कालीन आर्थिक विचार

वैदिक काल में :

- वस्तु विनिमय प्रणाली
- कृषि एवं पशुपालन आधारित उत्पादन
- सामाजिक श्रम विभाजन
- यज्ञ आधारित संसाधन वितरण

6.3 धर्मशास्त्र एवं स्मृतियाँ

ISSN: 3049-0952
www.jsetms.com

मनुस्मृति एवं अन्य ग्रंथों में :

- सामाजिक-आर्थिक नियम
- श्रम का महत्व
- व्यापार नैतिकता
- दान एवं पुनर्वितरण (Redistribution)

6.4 ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वावलंबन मॉडल

भारत में ग्राम व्यवस्था प्राचीन काल से आत्मनिर्भर रही है।

- स्थानीय उत्पादन
- हस्तशिल्प आधारित रोजगार
- सहकारिता और सामुदायिक जीवन

6.5 भारतीय व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य

भारत प्राचीन काल में विश्व व्यापार का केंद्र रहा।

- समुद्री व्यापार
- रेशम मार्ग (Silk Route)
- सोने-चांदी एवं मसालों का व्यापार
- मुद्रा प्रणाली का विकास

7. IKS और आधुनिक अर्थशास्त्र: तुलनात्मक अध्ययन

IKS के आर्थिक विचार आधुनिक अर्थशास्त्र के कई सिद्धांतों से मेल खाते हैं :

विषय	**IKS आधारित दृष्टिकोण**	**आधुनिक अर्थशास्त्र**
कर नीति	न्यायसंगत कर प्रणाली	प्रगतिशील कर प्रणाली
संसाधन प्रबंधन	संतुलित उपयोग	सतत विकास
कृषि	उत्पादन बढ़ाने पर बल	कृषि अर्थशास्त्र
बाजार नियंत्रण	मूल्य नियंत्रण, निगरानी	बाजार नियमन
कल्याण	लोक कल्याण आधारित राज्य	Welfare Economics

8. NEP 2020 में IKS आधारित अर्थशास्त्र शिक्षा का महत्व (Significance)

IKS आधारित अर्थशास्त्र संसाधनों को NEP 2020 के अंतर्गत शामिल करने से कई लाभ होते हैं :

8.1 भारतीय संदर्भ में अर्थशास्त्र की समझ

छात्रों को भारत की वास्तविक आर्थिक संरचना को समझने में सहायता मिलती है।

8.2 नैतिकता आधारित आर्थिक दृष्टिकोण

IKS में व्यापार एवं धन का उद्देश्य केवल लाभ नहीं बल्कि समाज कल्याण भी है।

8.3 रोजगार एवं उद्यमिता विकास

स्थानीय उद्योग, कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प और स्वदेशी मॉडल छात्रों में उद्यमिता बढ़ाते हैं।

8.4 सतत विकास (Sustainable Development)

IKS प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संतुलन पर बल देता है।

8.5 शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन

IKS आधारित अध्ययन से शोध के नए विषय सामने आते हैं जैसे :

- भारतीय कर व्यवस्था का इतिहास
- पारंपरिक बाजार प्रणाली
- ग्रामीण विकास मॉडल
- संसाधन संरक्षण आधारित अर्थनीति

9. चुनौतियाँ (Challenges)

IKS को अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम में लागू करने में कई समस्याएं सामने आती हैं :

1. IKS पर आधारित प्रमाणिक पाठ्य सामग्री की कमी
2. प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी
3. आधुनिक और पारंपरिक दृष्टिकोण में संतुलन की चुनौती

4. छात्रों में IKS के प्रति जागरूकता का अभाव
5. शोध एवं दस्तावेजीकरण की कमी

10. सुझाव (Suggestions)

IKS और अर्थशास्त्र संसाधनों के प्रभावी उपयोग हेतु सुझाव :

1. विश्वविद्यालयों में IKS आधारित Economics पाठ्यक्रम विकसित किया जाए।
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र और अन्य ग्रंथों के सरल संस्करण तैयार किए जाएं।
3. शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (FDP/Workshop) आयोजित हों।
4. IKS आधारित Research Projects एवं Dissertation को बढ़ावा मिले।
5. डिजिटल लाइब्रेरी एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर IKS सामग्री उपलब्ध कराई जाए।
6. स्थानीय ज्ञान और आर्थिक गतिविधियों पर Field Study अनिवार्य की जाए।

11. निष्कर्ष (Conclusion)

NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) का समावेशन भारत की शिक्षा व्यवस्था को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और व्यावहारिक रूप से उपयोगी बनाने का प्रयास है। अर्थशास्त्र संसाधनों में IKS की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की प्राचीन आर्थिक नीतियां, व्यापार व्यवस्था, कर प्रणाली, कृषि मॉडल और संसाधन प्रबंधन आज भी प्रासंगिक हैं। यदि NEP 2020 के अंतर्गत IKS आधारित अर्थशास्त्र संसाधनों को व्यवस्थित रूप से पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए, तो यह छात्रों में राष्ट्रीय दृष्टिकोण, नैतिकता, शोध क्षमता और रोजगार कौशल विकसित करने में सहायक होगा।

संदर्भ सूची (References / Bibliography)

1. Government of India. (2020). **National Education Policy 2020**. Ministry of Education.
2. Kautilya. **Arthashastra** (Translated by R. Shamasastry). Mysore: Government Press.
3. Sen, Amartya. (1999). **Development as Freedom**. Oxford University Press.
4. Datt, R. & Sundharam, K.P.M. (2019). **Indian Economy**. S. Chand Publications.
5. Thapar, Romila. (2002). **Early India: From the Origins to AD 1300**. Penguin Books.
6. Altekar, A.S. (1958). **State and Government in Ancient India**. Motilal Banarsidass.
7. Rangarajan, L.N. (1992). **Kautilya: The Arthashastra**. Penguin Classics.
8. Planning Commission of India (Various Reports). Government Publications.
9. Basu, Kaushik. (2010). **Beyond the Invisible Hand**. Princeton University Press.
10. Sharma, R.S. (2007). **India's Ancient Past**. Oxford University Press.